



II Semester B.Sc. Degree Examination, June / July - 2026

(SEP Scheme)

HINDI LANGUAGE

Kavya Manjar

Time : 3 Hours

Maximum Marks : 80

I. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक शब्द या वाक्यांश में लिखिए।

(10×1=10)

- 1) कबीर के अनुसार किसके बिना मुक्ति नहीं मिल सकती है ?
- 2) बिहारी के दोहो का संकलन किस नाम से प्रसिद्ध है ?
- 3) धारा का क्या प्रतीकात्मक अर्थ है ?
- 4) संसार में स्थायी रूप में क्या नहीं है ?
- 5) संघर्षों से लड़ने के लिए क्या आवश्यक है ?
- 6) कवि किसे सुनने की इच्छा रखते हैं ?
- 7) नारी को किस गुण का प्रतीक माना है ?
- 8) किसकी आवाज सिंहनाद से भी तेज़ है ?
- 9) सफलता कैसे मिलती है ?
- 10) आह वेदना मिली विदाई कविता के कवि कौन हैं ?



II. किन्हीं दो का ससंदर्भ व्याख्या कीजिए।

(2×7=14)

- 1) निंदक नेड़ा रखिये आंगण कुटी बंधाड़ ।
बिन सावन पांणी बिना, निरमल करै सुभाई ॥
- 2) प्रियतम मेरे मैं प्रियतम की
बीती, रात, प्रात शिशु को उर से चिपटाये आयी उषा -
लुटा रही हूँ गली गली मैं अपने प्राणों की मंजुषा - मुझ पगली की बिखरी भूषा -
- 3) चाल तू अपनी राह पथिक, चल तुझको विजय
पराजय से क्या,
भँवर उठ रहे हैं सागर में
मेघर धुमडते हैं अम्बर में
आँधी आँ तूफान डगर में
तुझको तो केवल चलना है, चलना ही है फिर हो भय क्या ।

[P.T.O.]



(2)

SAEHI202

III. किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(2×15=30)

- 1) आह वेदना मिली विदाई कविता का सारांश लिखकर उसके संदेश को बताइए।
- 2) प्रियतम मेरे में प्रियतम की कविता का सारांश अपने शब्दों में लिखिए।
- 3) पथिक से कविता का सारांश अपने शब्दों में लिखिए।

IV. किसी एक पर टिप्पणी लिखिए।

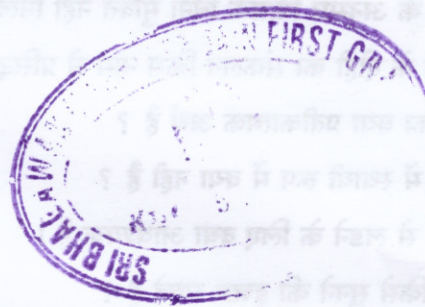
(1×6=6)

- 1) देव की कविताएँ
- 2) नौका विहार

V. किन्हीं एक वैज्ञानिकों का परिचय दीजिए।

(1×10=10)

- 1) ए.पी.जे.अब्दुल कलाम।
- 2) सर.एम. विश्वेश्वरय्या



VI. उचित शीर्षक देते हुए संक्षिप्तीकरण कीजिए।

(1×10=10)

भारत एक प्राचीन देश है। इसे उपमहादीप कहा गया है। इस विस्तृत देश में भाषा, खान, पान, वेश भूषा आदि का वैविध्य होते हुए भी यहाँ सांस्कृतिक एकता के सूत्र कभी भी विरिच्छन्न नहीं हुए राजनीतिक एकता विरिच्छन्न हो जाने पर भी धर्म तथा संस्कृति की दृष्टि से यह देश सदा ही अविभक्त रहा है प्राचीन धर्म चार्थों तथा समाज सुधारकों में धार्मिक तथा सांस्कृतिक एकता बनाए रखने में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभायी है, यही कारण है कि इतिहास की अनेक दुघटनाएँ और विदेशियों के लगातार आक्रमण भी इसकी आधार भूत एकता को खंडित नहीं कर पायें। सचमुच भारत विविधता में एकता की प्रतिमूर्ति है। हर दृष्टि से यह देश अद्वितीय है। विपरीत से विपरीत स्थिति में भी अस्तित्व को समय की शक्ति नहीं मिटा पाई।